जागो राम रुणेचे वाला पो फाटी प्रकाश भया प्रभाती भजन लिरिक्स

जागो राम रुणेचे वाला,
पो फाटी प्रकाश भया,
बीती रेण छिपे सब तारे,
चंदा ज्योति मन्द भया।bd।

ऊगा भाण बीत गई रजनी,
तीन लोक प्रकाश भया,
अपने काज लगा नर नारी,
पंछी अपना राय गिया।bd।

ब्रह्मपुरी में ब्रह्मा जी जाग्या,
तीन लोक प्रकाश भया,
कैलाश पुरी में शिव शंकर जाग्या,
भांग धतूरा घोट रह्या।bd।

बंदी बन्धन छोडावन खातर,
खड़ा द्वार पुकार रह्या,
रेण बिछेवा चकवा चकवी,
भोर समय मिलाप भया।bd।

गढ़ रे रुणेचे में जाग्या रामदेव,
तीन लोक आवाज भया,
उठो देवा दान्तन मोरो,
हाजर झारी हाथ लिया।bd।

रोज़ी रिज़्क़ देवे मेरो सायबो,
खड़ा द्वार पुकार रह्या,
गोकुळ दास आशा रघुवर की,
मुझ पर राखों मेहर छैया।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

जागो राम रुणेचे वाला,
पो फाटी प्रकाश भया,
बीती रेण छिपे सब तारे,
चंदा ज्योति मन्द भया।bd।

गायक – पुनाराम बेगड़।
प्रेषक – रामेश्वर लाल पँवार।
आकाशवाणी सिंगर।
9785126052

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com